shri80@gmail.com पर शेयर करें।

मछली पकड़ेंगे, उतने प्वाइंट मिलते

कई परेशानियां आती हैं। तब उन्हें

काफी रोचक गेम है।

सेहत बनाने के बजाय बिगाड़ न दे चिकन

डॉ. गर्ग की रिसर्च में हुआ खुलासा, ह्यूमन सिस्टम को कर रहा इफेक्ट्स

अर्पण खरे, भोपाल

मांसाहारी लोगों में सबसे फेवरेट चिकन माना जाता है, लेकिन यहीं चिकन हमारी सेहत बनाने के बजाय बिगाड़ रहा है। मुर्गी का वजन बढ़ाने और बीमारी से दूर रखने के लिए दिए जा रहे एंटीबायोटिक हमारी सेहत को बुरा असर डाल रहे हैं। इससे ह्यूमन सिस्टम इफेक्ट्स हो रहा है, जिससे हमारी रोगों से लड़ने की क्षमता कम होती जा रही है। साथ ही इससे शरीर के महत्वपूर्ण अंग प्रभावित हो रहे हैं।

यह खुलासा वेटरनरी अस्पताल, महू के डीन डा. यूके गर्ग द्वारा की गई रिसर्च में हुआ है। डा. गर्ग ने मुर्गी के क्षेत्र में किए रिसर्च में पाया कि मुर्गियों में एंटीबायोटिक के उपयोग से इसका सीधा प्रभाव हमारे शरीर पर पड़ता है। यह थाइमस (टी सेल) और बर्शा ऑफ फ्रेबिसियस (बी सेल) सेल पर प्रभाव डालता है। यह दोनों को प्रभावित करता है, जिससे हमारी प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। डॉ. गर्ग का कहना है कि हमें यह अच्छी तरह मालूम है कि हमारी प्रतिरोध की क्षमता घट रही है क्योंकि हम एंटीबायोटिक दवाओं का च्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं और अब रोगाणु भी दवा के प्रतिरोध को झेल लेते हैं। ऐसे में जब हम ये दवाएं भी इलाज के तौर पर लेते हैं तो ये असरदार साबित नहीं होती हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि हमें इस बात की जरा भी भनक नहीं लगती है कि हमारे भोजन की वजह से ही एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन बढ़ रहा है, क्योंकि खाद्य पदार्थों का उत्पादन भी जिस तरह से हो रहा है उससे एंटीबायोटिक के प्रयोग को बढ़ावा मिलता है और हम उनके आदी हो जाते हैं।

समय पर साथ नहीं देगा

उन्होंने बताया कि एंटीबायोटिक का ओवरडोज हमारे शरीर के अन्य अंग को प्रभावित करता है। ट्रेटासाइसिलिन बोर्न मैरो को इफेक्ट्स करता है। इस दिशा में वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) का साफ निर्देश हैं कि आफ एंटीबायोटिक का ज्यादा उपयोग करेंगे तो समय पर यह आपका साथ नहीं देगा। इसके लिए पशुओं की सेंसेटिबिटी का चेक कर एंटीबायोटिक का उपयोग करना चाहिए।

- 25 से 30 रजिस्टर्ड पोल्ट्रीफार्म
- 15 से 20 अवैध पोल्ट्रीफार्म
- 40 से 50 दिन में बड़ा होने में
- 25 से 30 दिन दवाओं से बड़ा करने में
- 2 हजार चिकन तैयार होते हैं एक फार्म में एक माह में
- 80 हजार शहर में हर माह चिकन तैयार होता है।

चारे में मिला देते हैं एंटीबायोटिक

देखने में आया है कि पोल्ट्री उद्योग भी एंटीबायोटिक दवाओं का इस्तेमाल मुनाफे के लिए भी करता है। मुर्गियों को एंटीबायोटिक मिश्रित आहार दिया जाता है, जिससे उनका वजन बढ़ता है। इसी लालच में आकर किसान थोक में एंटीबायोटिक खरीदते हैं और उसे मुर्गियों के चारे या घास में मिला देते हैं। इनका उपयोग हमारे शरीर पर कुप्रभाव डालते हैं।

इन दवाओं का होता है उपयोग

ओफ्लाक्सॉसिन, सिप्लॉक्स, टेरामाइसिन, नियामाइसिन।